

NOTICE

All the students are hereby informed that Punjabi Department of our college is going to organize an Extension Lecture on the topic “Status of Punjabi Language in Haryana” on 10.12.2022 in the college auditorium at 10:20 a.m. All the students of Punjabi Department are required to attend the same.


Dr. Simarjeet Kaur
HOD, Deptt. of Punjabi


Dr. (Mrs.) Aarti Trehan
Offg. Principal
Principal (O.P.G.)
Arya Kanya Mahavidyalay,
Shanabad Markanda

ਪੰਜਾਬੀ ਵਿਦਾਰ

ਮ ਸੈਧਾ ਕ ਦਿਲਹਿਜਾ
ਸਰਕਾ





Star
Focus

11 Dec, 2022



ਪੰਜਾਬੀ ਭਾਸ਼ਾ ਕੀ ਸਿਥਤਿ ਵਿਖਾ ਪਰ ਵਾਖਿਆਨ ਕਰਵਾਇਆ

स्टार फोटोग्राफी इंडिया सारकार, 10 दिसंबर (दृश्यमान)

ज्ञानवार को आये कन्या महाविद्यालय के सभागार में पंजाबी विभाग द्वारा हस्तियाण में पंजाबी भाषा की स्थिति विषय पर व्याख्यान करवाया गया। कार्यक्रम में तृतीय कल्पीन विभागाधारी पंजाबी विभाग कुम्हदी विश्वविद्यालय ने अपनी मृग्यालयित शिक्षकों की सवार्थम प्राचारण की और अस्ति केन्द्र ने महाविद्यालय परिसर में पहुँचन पर मृग्य अंतिम का स्वागत किया। कार्यक्रम में मन का मनालन मिमर जीत कीरे ने किया मृग्य अंतिम की तृतीय कल्पीन विभाग ने कहा कि वस्तुमान मृग्य सम्भव नहीं है और अपनी मानविक विश्वास

के समानांतर दृग्गों को सामाजिक विगमन का समान इस युग की जड़तन है। पंजाबी साहित्य अंतें भी इन्हीं सामाजिक एवं नेतृत्व मूल्यों को वालक रखा है। सम्पूर्ण पश्चिमाञ्चलीय पंजाबी साहित्य मन्त्र में साधारण का संचार करने की प्रेरणा देख रहा है। पंजाबी भाषा की विगमन बहुत अधिक है। ये उस विगमन का महान् समझौते हैं उस युग का करना चाहिए। इसी सामाजिक अभियांत्रिकी के कारण हारियाणा में पंजाबी पढ़ने एवं साधारण के प्रति लगान लगातार बढ़ता जा रहा है। इस योग्यता सुधारक और पंजाबी विभाग की ओर प्रधानमंत्री द्वारा यह तीसी वर्ष की लगभग 200 लाखांगा उपस्थित रही।

ਪੰਜਾਬੀ ਭਾਸ਼ਾ ਕੀ ਸਿਥਤਿ ਵਿ਷ਯ ਪਰ ਵਾਖਿਆਨ ਕਰਵਾਅ

शाहाबाद मारकंडा
(एक जात)। शनिवार को आये
 कन्या महाविद्यालय के सभागार
 में पंजाबी विभाग द्वारा
 "हरिकथा" में पंजाबी भाषा को
 विश्वित विषय पर व्याख्यान
 करवाया गया। कार्यक्रम में डॉ
 कुलदीप सिंह विभाग अध्यक्ष
 पंजाबी विभाग के संक्षेप
 विश्वविद्यालय ने बताया
 मस्तुतिधि शिक्षकत की



सर्वप्रथम प्राचार्य डॉ. आरनी ब्रेन ने महाविद्यालय परिषद में पढ़ने पर मुख्य अंतिथ का स्वागत किया। कांक्रम में मन का मन्त्रालन गिरफ्तरीत कीर ने किया। मुख्य अंतिथ ने डॉ. कलदीप सिंह ने कहा कि वर्तमान समय संकृति युग है और अपनी साम्प्रकारिक विगमत के समानांतर दूषणों की साम्प्रकारिक विगमत का सम्मान इस शब्द की जरूरत है। पंजाबी साहित्य आरभ में इनी सामाजिक एवं नैतिक मूल्यों का वाहक रहा है। सम्पूर्ण मध्यकालीन पंजाबी साहित्य मनन्ध में मानवता का संचार करने की प्रेरणा देता रहा है। पंजाबी भाषा की विगमत बहुत अमीर है। उसे उस विगमत का महान् समझाने हए उसे ग्रहण करना चाहिए। इसी साम्प्रकारिक अमीरी के कारण हरियाणा में पंजाबी पढ़ने एवं सोखने के प्रति झड़ान लगानार बढ़ता जा रहा है। उस मोक्ष डॉ. गुराताज और पंजाबी विभाग की बीए प्रथम, हिन्दीय एवं तुर्की वर्ष की लगभग 200 छात्राएं उपस्थित रहे।

कुरुक्षेत्र भास्कर 11-12-2022

प्रदेश में पंजाबी भाषा की स्थिति पर व्याख्यान में की चर्चा

NEWS COVERAGE

ਹਰਿਆਣਾ 'ਚ ਪੰਜਾਬੀ ਨੂੰ ਦੱਸੀ ਗਾਇਆ ਵਜੋਂ
ਲਾਗੂ ਨਹੀਂ ਕੀਤਾ ਗਿਆ। ਛਾਂ ਕੁਲਦੀਪ
ਅਧੀਨੀ ਕਾਨੂੰਨ ਦੀ ਸ਼ੁਭੀ ਵਰਤੋਂ
ਨਿਰਧਾਰ ਕਰਾਉਣਾ।

ਤੇਜ਼ੀ ਵਿੱਚ ਜਾਣਿ ਵਾਲੀ ਮਾਮਲੀ ਵਿੱਚ ਆਪਣੀ ਵਰਤੋਂ
ਨਿਰਧਾਰ ਕਰਾਉਣਾ।

ମାଧ୍ୟମିକ ଦେଖିଲୁ, ୧୯.୧୨.୨୦୨୨



हरियाणा में पंजाबी भाषा की स्थिति पर करवाया व्याख्यान

शाहाबाद मरकेंडा, 10 दिसंबर (मन्द) : आर्य कन्या महाविद्यालय के सभापाल में पंजाबी विभाग द्वारा हस्तियाण में पंजाबी भाषा की स्थिति विषय पर व्याख्यान का आयोजन किया गया। जिसमें मुख्य वक्ता ज्ञ. कुलदीप सिंह, विभागाध्यक्ष, पंजाबी विभाग कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय थे। महाविद्यालय की प्राचार्य डॉक्टर आरती त्रेहन ने मुख्य वक्ता को पौधा भेट कर स्वागत किया।

मंच का संचालन करते हुए पंजाबी विभाग की अध्यक्षा डॉक्टर सिमरजीत कौर ने मुख्य वक्ता को छात्राओं से परिचित करवाया। मुख्य वक्ता ने छात्राओं को

सम्बोधित करते हुए कहा कि वर्तमान समय बहुत सांस्कृतिक युग है और अपनी सांस्कृतिक विरासत के समानांतर दूसरों की सांस्कृतिक विरासत का समान युग की जरूरत है। पंजाबी साहित्य आरभ से इन्हीं सामाजिक एवं नैतिक मूल्यों का बालक रहा है। पंजाबी भाषा की विरासत बहुत अमीर है। हमें उस विरासत का महत्व समझते हुए उसे ग्रहण करना चाहिए। इतिहास विभाग की अध्यक्षा ज्ञ. सुभातज ने मूर्ख वक्ता का घब्बवाला दिया। इस अवसर पर पंजाबी विभाग की जी.ए. प्रधान, हिंदूश एवं तुरीती वर्ष की लगभग 200 लाखों उपस्थित थी।



शाहबाद में आई कन्या महाविद्यालय में मुख्य वक्ता का स्वागत करते महाविद्यालय की पाचार्य।

ਪੰਜਾਬ ਰੇਸ਼ੇ

੧। ਰਿਸ਼ਵਤ,
੮੦੨੨


21/212